उपायुक्त का कार्यालय,लोहरदगा।

(राजस्व–शाखा)

वज्रपात एक जानलेवा प्रहार है, चलिए सिखते है कैसे स्वयं एवं अपने संपत्ति की सुरक्षा वज्रपात से की जाय:–

जब आप घर के भीतर हो:–

1. बिजली से चलने वाले यंत्रों को यथाशीघ्र बंद कर दें ।
2. खिड़कियों, दरवाजे, बरामदे एवं छत से दूर रहें ।
3. धातु से बने यंत्रों से दूर रहें ।
4. कपड़े सुखाने के लिए तार का प्रयोग न कर जूट की रस्सी का प्रयोग करें ।
5. ऐसी वस्तुएँ जो बिजली की सुचालक हैं उनसे दूर रहें।
6. यदि घर में हो तो पानी का नल, टेलीफोन, फिज, टी0वी0 आदि को न छुएँ तथा उससे दूर रहे।

जब आप घर के बाहर हो:–

1. बारिश एवं वज्रपात के दौरान कभी भी अकेले पेड़ के नीचे नहीं खड़ा हो।
2. यदि दो पहिया वाहन, साईकिल, ट्रक, नौका आदि पर सवार हों तो तुरंत उतरकर सुरक्षित स्थान पर चले जायें ।
3. वज्रपात के दौरान वाहनों की सवारी न करें।
4. धातु की डंडी वाले छाता का उपयोग न करें ।
5. टेलीफोन व बिजली के पोल तथा टेलीविजन टावर टेलीफोन टावर से दूर रहें ।
6. बिजली की चमक देखकर तथा गड़गड़ाहट की आवाज सुनकर ऊँचे एवं एकल पेड़ों के नीचे नहीं जायें ।
7. तालाब और जलाशयों से दूर रहें ।
8. तैराकी कर रहे लोग मछुआरे आदि अविलम्ब पानी से बाहर निकल जायें।

जब आप जंगल में हो:–

1. यदि आप जंगल में हो तो बौने एवं घने पेड़ों की शरण में चले जायें ।

जब आप खेत खलिहान में काम कर रहे हो:–

1. गीले खेतों में कार्य कर रहे किसान तुरंत सुखे एवं सुरक्षित स्थान पर चले जायें।
2. वृक्षों दलदल वाले स्थलों तथा जलस्त्रोतों से यथासंभव दूर रहें, परंतु खुले आकाश में रहने से अच्छा है कि छोटे पेड़ के नीचे रहे।
3. धातु से बने कृषि यंत्र, डंडा आदि से अपने को दूर करलें।
4. खुले आकाश में रहने को बाध्य हो तो नीचे के स्थलों को चुने।
5. खुले आकाश में रहने को बाध्य हो अथवा कोई सुरक्षित स्थान न हो तो दोनों पैरो को आपस में सटा लें एवं दोनों हाथों को घुटने पर रखकर अपने सिर को जमीन की तरफ यथा संभव झुका लें तथा सिर को जमीन से न छुआएँ।
6. एक साथ कई आदमी इकट्ठा न हो।
7. दो लोगों की बीच की दूरी कम से कम 15 फीट हो।

8. अपने घरों तथा खेत खलिहान के आस–पास कम ऊँचाई वाले एवं उन्नत किस्म के फलदार पौधे लगाये।
9. मजबूत छत वाला पक्का मकान सबसे सुरक्षित स्थल है।
10. यदि संभव हो तो अपने घरों में तड़ित चालक लगवायें।

वज्रपात का झटका लगने पर क्या करें:–

1. वज्रपात से झ'टका लगने पर जरूरत के अनुसार व्यक्ति को CPR (कार्डियों पल्मोनरी रेस्पिरेशन) यानि कृत्रिम श्वांस देनी चाहिये । तत्काल प्राथमिक चिकित्सा करने की व्यवस्था करें ।

वज्रपात से प्रभावित व्यक्ति की सूचना अपने अंचलाधिकारी/जिले के जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी अथवा उपायुक्त को तत्काल दें ।

उपायुक्त,
लोहरदगा।

"सचेत लोहरदगा, सुरक्षित लोहरदगा"